SpaceX द्वारा भारत का उपग्रह प्रक्षेपण

[स्रोत: द हिंदू](#)

हाल ही में भारत के GSAT-N2 (GSAT-20) संचार उपग्रह **को SpaceX के** फाल्कन-9 रॉकेट द्वारा केप कैनावेरल, फ्लोरिडा, अमेरिका से सफलतापूर्वक प्रक्षेपित किया गया।

- फाल्कन-9 ने GSAT-N2 को **भू-समकालिक स्थानांतरण कक्षा (Geosynchronous Transfer Orbit- GTO)** में प्रक्षेपित किया, जो **लगभग 37,000 किमी.** की ऊँचाई वाली एक **अण्डाकार कक्षा है, जो भू-समकालिक या भूस्थिर कक्षा (Geosynchronous or Geostationary Orbit- GSO)** तक पहुँचने की दिशा में पहला कदम है।
    - अंतरिक्ष यान **भूमध्य रेखा** के समानांतर घूमकर तथा **GSO** तक पहुँचने के लिये अपने **रॉकेट इंजन को चलाकर GTO कक्षा का वृत्ताकारीकरण** करता है।
        - **Apoapsis** किसी कक्षा में वह बिंदु है जब कोई **वस्तु** उस पिंड से सबसे अधिक दूर होती है जिसकी वह परिक्रमा कर रही है।
- यह एलन मस्क की SpaceX के साथ **भारत का पहला सहयोग** है।
- यह उपग्रह न्यूस्पेस इंडिया लिमिटेड **(NewSpace India Limited- NSIL)** का है, जो **इसरो की वाणिज्यिक शाखा** है।
    - NSIL को उपयोगकर्त्ता की सेवा आवश्यकताओं को पूरा करने के लिये **"मांग-संचालित मोड"** में उपग्रहों का **निर्माण, प्रक्षेपण, स्वामित्व और संचालन करने का** अधिकार दिया गया है ।
- GSAT-N2, NSIL का **दूसरा मांग-संचालित उपग्रह है**। इसका पहला मांग-संचालित उपग्रह **GSAT-24 था जिसे जून 2022** में प्रक्षेपित किया जाएगा।

अधिक पढ़ें: SSLV विकास परियोजना का समापन

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/india-s-satellite-launch-by-spacex